प्रवाह

जून 2019 षोडश अंक

आर. सी. ए. गर्ल्स (पी.जी.) कॉलेज, मथुरा
का अर्द्धवार्षिक पत्र

In this Issue ....

- From the Principal's Desk
- Editorial
- Experts' Corner
- Students' Corner
- Bulletin Updates
- Achievements
- From Newspapers
- Memories

Editorial Board ....

Patron :
Dr. Preeti Johari
Chief Editor :
Dr. Anju Bala Agrawal
Editor :
Dr. Archana Pal
Creative Head :
Dr. Sandhya

Principal Desk

प्रिय अभिभावकगण एवं छात्राओं,

पुनः 'प्रवाह' के माध्यम से आप लोगों से अपने विचार साझा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। अब, जबकि वर्तमान सत्र लगभग समाप्त हो चुका है, यह सही समय है जब हम पिछले सत्र की गतिविधियों और उपलब्धियों का पुनरावलोकन कर आपको उनसे अवगत कराएं और इन उपलब्धियों के आधार पर आगामी सत्र की योजनाओं का प्रारूप तैयार करें।

महाविद्यालय में उच्च स्तरीय अध्यापन के साथ–साथ छात्राओं में श्रेष्ठ नैतिक तथा चारित्रिक मूल्यों की स्थापना एवं संवर्धन हमारी सदैव ही प्राथमिकता रही है। साथ ही वर्तमान परिदृश्य की आवश्कताओं के अनुरूप छात्राओं को आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए तैयार करना भी हमारा नैतिक दायित्व है। पारम्परिक शिक्षा के साथ–साथ व्यवहारिक ज्ञान तथा कौशल विकास आज प्रत्येक छात्रा के व्यक्तित्व विकास एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता की पहली सीढ़ी है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए कला एवं वाणिज्य विषयों से संबंधित निम्न तीन त्रैमासिक कौशल विकास पाठ्यक्रमों (ड्रेस डिजाइनिंग, ब्यूटिशियन, कम्प्यूटर फन्डामेन्टल्स एवं टैली) के निःशुल्क प्रशिक्षण का आयोजन स्थानीय 'खजानी पालिटेक्नीक' के सहयोग से किया गया तथा परीक्षा के उपरांत छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त चित्रकला की छात्राओं के लिए Clay Craft की 10 दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

वर्तमान तकनीकी युग में कला/वाणिज्य संकाय की छात्राओं को भी सामान्य तकनीकी ज्ञान होना समाज के साथ चलने के लिए नितांत आवश्यक है। इस दृष्टि से पूरे सत्र में 2 बार एक–एक सप्ताह की डिजिटल साक्षरता कार्यशाला (Digital Literacy Workshop) का भी आयोजन हुआ, जिसमें लगभग 150 छात्राओं ने Email, Mobile Banking, Net Banking, Online Payment इत्यादि दैनिक आवश्यकता के कार्यों को कुशलतापूर्वक करने का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

विगत सत्र में कौशल विकास के इन पाठ्यक्रमों में छात्राओं एवं अभिभावकों की रूचि एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इनकी आवश्यकता को देखते हुए उपरोक्त तीनों पाठ्यक्रमों का आयोजन दिनांक 07 मई 2019 से अन्य छात्राओं के लिए पुनः किया जा रहा है। जिससे लगभग 120 छात्राओं को उपरोक्त तीन विधाओं में से किसी एक विधा में प्रशिक्षित किया जाएगा एवं तत्पश्चात प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। स्नातक होने के पश्चात् अपने लिए रोजगार प्राप्त करने अथवा स्वयं अपना निजी रोजगार स्थापित करने में यह प्रशिक्षण वास्तव में इन छात्राओं के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

इसी उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए आगामी सत्र में नियमित कक्षाओं के साथ पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त कुछ अन्य कौशल विकास पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षण की व्यवस्था भी महाविद्यालय में की जा रही है जिसमे योग शिक्षक का प्रशिक्षण भी सम्मिलित है। स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाली प्रत्येक छात्रा को कोई एक कौशल विकास प्रशिक्षण लेना अनिवार्य होगा।

इसके अतिरिक्त छात्राओं के पठन पाठन को अधिक रूचिकर बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक विषय में माह मे दो–बार आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए Power Point Presentation के माध्यम से कक्षाएं लिए जाने की भी योजना है।

मुझे आशा ही नहीं वरन पूर्ण विश्वास है कि छात्राओं के बहुमुखी विकास की इन योजनाओं के क्रियान्वयन एवं संचालन में हमें आप सभी अभिभावकों का भी अभीष्ट सहयोग प्राप्त होगा और इस महाविद्यालय परिसर में हम छात्राओं के सुदृढ़ और सुरक्षित भविष्य की नींव रखने में सफल होगें।

प्रीति जौहरी

Editorial

Dear Students,

"Grow old along with me! The best is yet to be." Yes, in life one has to face ups and down, but one should not give up hopes. The feelings of despondency, despair and disappointment should not work as speed breaker on the road to success. In order to garner success, one has to seize opportunities and replace negative feeling by radiant feelings of hope and optimism. The great thinker Swet Martin has said that the life without hope destroys all the valuable elements of life. There is no place in civilization for a person who is dejected and without hope. Dejection is a sin. It makes a person so weak and coward that he becomes indifferent to achievements and progress. Dejection, like a devil, carries a person to destruction. Even optimistic persons have to face dejection but their dejection is momentary. Their dejection does not deter them from the path of hope. Life is a mixture of contradictory things, positive as well as negative. Despair, fear, sloth, fatalism and temporary failures should not obstruct our path to success.

We should have the attitude, 'Yes I can do it'. Inferiority complex gives rise to the feeling of pity. A man of inferiority complex is always afraid of taking up any great work. He always considers himself helpless and powerless. Mahaprabhu Shaknkaracharya has rightly said, " So long as you consider yourself to be an object of pity, you will always remain a beggar and will not be able to do anything worthy of achievement." So consider dejection and failure as a passing phase. Only he falls who rides a horse. Get up again and ride the horse. For fear of falling if the riding of the horse is abandoned and for fear of death if life is not lived then what would be the plight of human society, can be easily imagined. Actionlessness makes a man victim of inferiority complex and dejection makes the man actionless. The combination of dejection and actionlessness does not allow a person to proceed on the path of progress.

In the modern times the fight for Indian freedom is a glaring example of undying hope and getting victory in the end. The fight for Indian freedom was suppressed many times and often appeared to be a failure. But the freedom fighters always remained devoted to their cause and were always hopeful of getting to the goal. In the end victory smiled on them and Bharat became a free country, It is always said that " there is always a light at the end of the tunnel and it may seem hard to get to it but you can do it and just keep working towards it and you will find positive side of things." So dear students, focus on your studies and develop yourself wholeheartedly to excel in life.

With best wishes.

Yours sincerely

Anju Bala Agrawal

पर्यटन के क्षेत्र में कैरियर की संभावनायें

डॉ. अंजुबाला अग्रवाल
प्रभारी, अंग्रेजी विभाग

सैर कर दुनिया की गाफिल जिन्दगानी फिर कहाँ।
जिन्दगी गर कुछ रही तो नौजवानी फिर कहाँ।।

राहुल सांकृत्यायन का यह फल सफा वर्तमान समय में काफी प्रचलित है। आज की भागदौड़ भरी जिन्दगी में पर्यटन एक संजीवनी की तरह है, जो व्यक्ति को तरोताजा कर देता है। आज शहरों की व्यस्त जिन्दगी, प्रदूषण, शोर–शराबे से दूर व्यक्ति सप्ताहांत या एक आध सप्ताह के लिए सुकून तलाशने पहाड़ों, नदियों या जंगलों में जाना चाहती है। पर्यटन तरोताजा ही नहीं करता वरन् इससे आपको नई–नई चीजों को देखने, अनुभव करने और सीखने का मौका भी मिलता है। छुट्टियाँ बिताने के लिए लोग इन दिनों घूमने फिरने में ज्यादा दिलचस्पी लेने लगे हैं। पर्यटन का रुझान बढ़ने से इन क्षेत्रों में रोजगार के कई अवसर भी पैदा हो रहे हैं। आप अपनी योग्यतानुसार मैनेजर और टूर गाइड से लेकर टूर आपरेटर, ट्रांसपोर्ट अफसर, हॉली डे कंसल्टेन्ट आदि के रूप में आकर्षक कैरियर बना सकते हैं।

भारत अपनी ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक खूबसूरती के लिये पूरे विश्व में प्रसिद्ध है। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार एशियाई देशों में भारत पर्यटकों के लिए तेजी से आकर्षण का केन्द्र बन रहा है। भारत की समृद्ध संस्कृति, पर्यटकों के अलग–अलग अनुभव और सस्ते में उपलब्ध होने वाली सहूलियतें लोगों को यहाँ खींच लाती हैं। यहाँ हर साल 1 करोड़ से भी ज्यादा विदेशी पर्यटक आते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए आम बजट में भी संस्कृति मंत्रालय व पर्यटन मंत्रालय को अच्छी धनराशि आवंटित की गई है, जिससे इस क्षेत्र का और तेजी से विकास किया जा सके। इस क्षेत्र में पठन–पाठन को बढ़ावा देने के लिए अलग से इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हैरिटेज एंड कंजर्वेशन नाम से एक संस्थान की स्थापना भी की जाने की योजना है, जहाँ युवा शोध के अलावा इनकी पढ़ाई भी कर सकेंगे।

तेजी से बढ़ते इस क्षेत्र में समुचित पढ़ाई के बाद आप हॉस्पिटेलिटी, एयर लाइंस और बैंकों में भी अपने लिए नौकरी तलाश सकते हैं। ये सभी क्षेत्र भी पर्यटन के ही सहायक माने जाते हैं, जहाँ फ्रंट ऑफिस, एक्जीक्यूटिव, टिकटिंग स्टाफ, मेंटिनेंस स्टाफ, टूर प्लानर, फ्लाइट अटेंडेंड, ड्राइवर, गाइड आदि के रूप में जॉब के विकल्प हो सकते हैं। घरेलू और विदेशी पर्यटकों की बढ़ती संख्या से होटल एवं एयरलाइंस इंडस्ट्री को भी मजबूती मिली है। पर्यटन की पृष्ठभूमि वाले युवाओं के लिये इन क्षेत्रों में भी रोजगार की संभावनायें बढ़ी है। पर्यटन की पढ़ाई करके युवा सरकारी नौकरी भी पा सकते हैं। यूपीएससी एवं एसएससी परीक्षाओं को पास करके केन्द्र एवं राज्य सरकारों के पर्यटन विभागों में अफसर ग्रेड की नौकरी पा सकते हैं। इग्नू, एमिटी, नोएडा, मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, भारती विद्यापीठ पुणे, जे एस एस एकेडमी मैसूर, डॉ. डी.वाई पाटिल विद्यापीठ पुणे जैसे संस्थानों में बी.ए. टूरिज्म एडमिनिस्ट्रेशन (पर्यटन प्रबंधन) के रूप में ऑनलाइन डिग्री कोर्स प्रारम्भ होने जा रहा है। भविष्य में अन्य संस्थान भी यह कोर्स प्रारम्भ कर सकते हैं। ऑफलाइन माध्यम से भी देश के विभिन्न संस्थानों में पर्यटन से संबंधित डिग्री एवं डिप्लोमा जैसे कोर्स संचालित हो रहे हैं। इनमें सर्टीफिकेट तथा बैचलर कोर्स के लिये न्यूनतम योग्यता 12 वीं है, जबकि डिप्लोमा या पीजी कोर्स के लिये ग्रेजुएशन चाहिए। पर्यटन के ये कोर्स किसी भी संकाय के विद्यार्थी कर सकते हैं। कई संस्थानों में आजकल बैचलर और मास्टर के अलावा पर्यटन में दो वर्षीय एमबीए कोर्स भी चलाये जा रहे हैं।

आज चूँकि पर्यटन देश की अर्थव्यवस्था में काफी योगदान दे रहा है तो इसका रोजगार में भी योगदान है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि आने वाले दिनों में पर्यटन और बढ़ेगा और इसमें ज्यादा लोगों की जरूरत पड़ेगी, लेकिन इसके लिये पुराने परम्परागत ज्ञान से काम नहीं चलने वाला। आपको नई–नई स्किल सीखनी होगी और नए कोर्स करने होंगे।

हिन्दी

शिल्पा यादव
एम.एम हिन्दी फाइनल

हर दिल का अरमान है हिन्दी,
भारत की जुबान है हिन्दी।
ममता का अहसास है हिन्दी,
हम सबका विश्वास है हिन्दी।
हमारी राष्ट्रभाषा है हिन्दी,
विकास की आशा है हिन्दी।
प्यार का इजहार है हिन्दी,
हमारी एकता का तार है हिन्दी।

Bulletin Updates ....

महाविद्यालय में खेल सप्ताह

दिनांक 03.01.2019 से 05.01.2019 तक महाविद्यालय में खेल सप्ताह का आयोजन किया गया जिसके प्रथम दिन प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी द्वारा हरी झण्डी दिखाकर खेलों का शुभारम्भ किया गया। सर्वप्रथम 100 मी. दौड़ में राधा प्रथम, दरक्शॉ द्वितीय एवं बबली तृतीय स्थान पर रहीं। इसके पश्चात् मेंढक दौड़ में अर्चना प्रथम, टीना द्वितीय तथा राखी तृतीय, गोला फेंक में शालिनी प्रथम, लक्ष्मी द्वितीय व नेहा तृतीय, भाला फेंक में नेहा प्रथम, बबली द्वितीय व लक्ष्मी तृतीय, चक्का फेंक में प्रीति गौतम प्रथम, राधा वर्मा द्वितीय व छवि तृतीय स्थान पर रहीं।

दिनांक 04.01.2019 को महाविद्यालय में चल रहे खेल सप्ताह के दूसरे दिन जिन खेलों का आयोजन किया गया उसमें साथी दौड़ में श्रेया अग्रवाल व दीप्ति प्रथम, रितु व सोनिया शर्मा द्वितीय रहीं। शतरंज में हनी, सिमरन व मनु प्रथम, द्वितीय व तृतीय, बैडमिंटन सिंगल में काजल प्रथम, स्नेहा गौड़ द्वितीय, बैडमिंटन डबल्स में स्नेह व काजल प्रथम तथा मुस्कान व मीनाक्षी द्वितीय स्थान पर रहीं।

दिनांक 05.01.2019 को खेल सप्ताह के तीसरे दिन छात्राओं के साथ–साथ शिक्षिकाओं के खेलों का भी आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं में टेबिल टेनिस में मोहिनी शर्मा प्रथम, मुस्कान सैनी द्वितीय व शैली शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। शिक्षिकाओं के लिए 100 मीटर दौड़ में श्रीमती स्वाति पारीक प्रथम, नीतू राजपूत द्वितीय एंव तृतीय स्थान पर डा. नीतू गोस्वामी व डा. सुनीता अवस्थी रहीं। साथ ही रिले दौड़ में श्रीमती स्वाति पारीक, डा. योगेन्द्री प्रथम, डा. सुनीता अवस्थी, डा. वीरमति द्वितीय एवं श्रीमती साधना सारस्वत, डा. नेहा सक्सैना तृतीय स्थान पर रहीं। म्यूजिकल कुर्सी दौड़ में डा. अर्चना पाल प्रथम, नीतू राजपूत द्वितीय एंव तृतीय स्थान पर डा. सुनीता अवस्थी रहीं। इसी अवसर पर महाविद्यालय में कार्यरत कर्मचारी वर्ग के लिए भी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें 100 मीटर दौड़ में अनुज बंसल प्रथम, करतार सिंह द्वितीय एवं अनेक सिंह तृतीय, म्यूजिकल कुर्सी दौड़ में पवन सिकरवार प्रथम, गौरी शंकर द्वितीय एवं करतार सिंह तृतीय तथा गोला फेंक में पवन सिकरवार प्रथम, प्रदीप कुमार द्वितीय व करतार सिंह तृतीय स्थान पर रहे। इस आयोजन में डा. सुनीता अवस्थी एवं छात्राओं में मोहिनी शर्मा, रमा चौधरी व वर्षा का पूर्ण सहयोग रहा।

वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण

दिनांक 07.01.2019 को महाविद्यालय में 03.01.2019 से 05.01.2019 जनवरी तक आयोजित वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ जिसमें महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री रमेश चन्द्र मित्तल, सचिव श्री गिरीश अग्रवाल एवं श्री दीपक भरतिया उपस्थित रहे। अतिथियों द्वारा समस्त विजयी छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। समूची प्रतियोगिताओं में चैम्पियन ट्राफी स्नेहा गौर को प्राप्त हुई। इसी के साथ शिक्षिकाओं एवं कर्मचारी वर्ग के लिए आयोजित की गईं प्रतियोगिताओं में भी विजयी शिक्षिकाओं और कर्मचारियों को पुरस्कार वितरित किए गए। खेलकूद पुरस्कार वितरण समारोह शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्षा श्रीमती मंजू दलाल के निर्देशन में सम्पन्न हुआ।

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती पर ''युवा उड़ान'' कार्यक्रम

दिनांक 12.01.2019 को महाविद्यालय में विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर राष्ट्र सेविका समिति के संयोजन से एक युवा उड़ान कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम दो सत्रों में सम्पन्न हुआ। इसके प्रथम सत्र में विभिन्न कॉलेजों से

आयीं छात्राओं का पंजीकरण किया गया तथा कार्यक्रम के मूल विषय पर एक अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम के शुभारम्भ में कार्यक्रम की अध्यक्षा डा. अंजुबाला अग्रवाल, मुख्य वक्ता राष्ट्र सेविका समिति की बौद्धिक प्रमुख डा. शरद रेनू, कार्यक्रम संरक्षिका श्रीमती ललिता गुप्ता, मुख्य अतिथि श्रीमती शालिनी एवं कार्यक्रम संयोजिका डा. नीतू गोस्वामी द्वारा सामूहिक रूप से माँ सरस्वती, भारत माता व स्वामी विवेकानन्द जी के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्जवलन कर किया गया। कार्यक्रम में अपने अतिथि व्याख्यान में डा. शरद रेनू ने कार्यक्रम के शीर्षक 'राष्ट्र मेरा' पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा है 'राष्ट्र मेरा' ये शब्द हमारी हृदय तंत्री में सदैव गुंजायमान रहना चाहिए। हम सब में कुछ विशेष दक्षता होती है। उस दक्षता के बेहतर और श्रेष्ठ प्रदर्शन से भी हम राष्ट्र के प्रति अपनी न केवल कृतज्ञता ज्ञापित कर सकते हैं, अपितु अपने राष्ट्र का परचम विश्व में फहरा सकते हैं। अध्यक्षा डा. अंजुबाला अग्रवाल ने अपने उद्‌बोधन के माध्यम से छात्राओं के मध्य स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन चरित को सामने रखा और उन्हें प्रेरणा प्रदान की। कार्यक्रम संयोजिका डा. नीतू गोस्वामी ने कार्यक्रम की भूमिका के विषय में बताया कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है, जिसको राष्ट्र सेविका समिति की तरूणी बहनों के सहयोग से तैयार किया गया है। प्रथम कार्यक्रम के सत्र का संचालन डा. निधि शर्मा के द्वारा किया गया। आभार डा. नीतू गोस्वामी ने व्यक्त किया। दूसरे सत्र के कार्यक्रम की अध्यक्षता के.आर. महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्या डा. शोभा पाठक ने की तथा कार्यक्रम का संचालन डा. अंजू सूद ने किया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में विविध महाविद्यालयों से आयीं छात्राओं द्वारा रंगारंग प्रस्तुतियां दी गईं। कार्यक्रम में सुश्री नीतू राजपूत का विशेष सहयोग रहा।

मतदाता जागरूकता अभियान

महाविद्यालय में दिनांक 18.01.2019 से 21.01.2019 तक मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। योजनाधिकारी डा. भारती सागर एवं श्रीमती मंजू दलाल के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सम्पन्न मतदाता जागरूकता अभियान में स्वंयसेविकाओं एवं छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर सहभागिता की। ''आओ मतदान करे'' पर पोस्टर प्रतियोगिता में कुल 15 छात्राओं ने सहभागिता की। प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय वर्ष से इन्दु गौतम एवं अंजली क्रमशः प्रथम तथा द्वितीय रहीं और तृतीय स्थान पर बी.ए. प्रथम वर्ष की अंकिता निर्वान रही। निर्णायक मंडल के रूप में महाविद्यालय के राजनीति विभाग से श्रीमती स्वाति पारिक एवं समाजशास्त्र विभाग से डा. नेहा थीं। मतदाता जागरूकता अभियान के दौरान महाविद्यालय में ''सफल लोकतन्त्र के लिए मतदान जरूरी है'' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें मेघा गौतम, लक्ष्मी वर्मा एवं शोभना पाल ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना स्वंयसेविकाओं ने अपने निवास स्थल के निकटवर्ती लोगों से सम्पर्क करके मतदान करने एवं इससे जुड़ी जानकारी जन जन तक पहुँचायी।

आर.बी.आई. की स्वायत्ता में हस्तक्षेप विषय पर चर्चा

महाविद्यालय में दिनांक 25.01.2019 को अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित ''आर.बी.आई. की स्वायत्ता में हस्तक्षेप'' के पक्ष और विपक्ष पर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें अर्थशास्त्र और वाणिज्य विभाग की छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का संचालन अर्थशास्त्र विभाग की अध्यक्षा डा. वीरमती ने किया और कहा कि सरकार और आर.बी.आई के बीच सामंजस्य होना चाहिए, क्योंकि इनके सामंजस्य के बिना हमारी अर्थव्यवस्था नहीं चल सकती। रिजर्व बैंक और केन्द्र सरकार के बीच तनाव पहली बार नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के अनुसार रिजर्व बैंक और केन्द्रीय सरकार के बीच संबंध पति–पत्नी की तरह है लेकिन इन संबंधों मे टकराव अधिक नही होना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य विशेषज्ञ के.आर. कॉलेज के राजनीति शास्त्र विभाग से एसो. प्रो. डा. अशोक कुमार, वाणिज्य विभाग से डा. अनिल सक्सैना और सीएस वसन्त चतुर्वेदी थे। रिजर्व बैंक की स्वायत्ता के पक्ष में छात्रा अंजलि ने अपने वक्तव्य में कहा कि सरकार अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिये आर.बी.आई. स्वायत्ता में हस्तक्षेप करना चाहती है। जबकि छात्रा ऋतु का कहना था कि सरकार जनता के हित के लिये अधिक फण्ड की माँग कर रही है। छात्रा जागृति ने कहा कि सरकार इस फण्ड को विनियोग करेगी जिससे उसकी अर्थव्यवस्था का विकास

होगा, जबकि कु. गुंजन ने कहा कि गैर निष्पादित सम्पत्ति (एनपीए) को रिजर्व बैंक रोकना चाहती है इसलिये सार्वजनिक बैंको को त्वरित सुधारात्मक कार्यवाही (पीसीए) में डाल दिया है। कु. यामिनी ने कहा कि सरकार सैक्शन–7 को जनहित के लिए लागू करना चाहती है। कार्यक्रम के अन्त में डा. अशोक जौहरी ने कहा कि रिजर्व बैंक जो भी कार्य करती है उसके प्रति जवावदेह सरकार होती है। डा. अनिल सक्सैना ने कहा कि सरकार 20–20 मैच खेलती है जो कि अल्पकालीन होता है, जबकि रिजर्व बैंक दीर्घकालीन नीतियाँ बनाती है। सीएस बसंत चतुर्वेदी ने कहा कि सरकार को आर.बी.आई. स्वायत्ता पर भरोसा नहीं है, जबकि संसद ने ही उसको स्वायत्ता प्रदान की है। कार्यक्रम में प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने भी सरकार और आर.बी.आई. के सबंधों में सामांजस्य स्थापित करने की बात की। धन्यवाद ज्ञापन डा. सीमा शर्मा ने किया। कार्यक्रम में डा. सुषमा जैन, कु. रूचि जौहरी आदि उपस्थित थे।

कर बचत योजनाओं के साथ वित्तीय नियोजन विषय पर व्याख्यान

दिनांक 29.01.2019 को महाविद्यालय में वाणिज्य संकाय द्वारा ''कर बचत योजनाओं के साथ वित्तीय नियोजन' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस हेतु वित्तीय सलाहकार श्री रूपेश गुप्ता अपने सहयोगी श्री जितेन्द्र चौधरी, श्री अशोक कुमार एवं श्री अरविन्द कुमार सुमन के साथ आये। श्री रूपेश गुप्ता ने बताया कि किस प्रकार हम करों की बचत करके वित्तीय नियोजन कर सकते हैं, उन्होंने बताया कि बचत सुरक्षित होती है और विनियोग में जोखिम होता है, लेकिन जोखिम है तो लाभ भी अधिक है। इसके पश्चात् श्री अरविन्द कुमार ने म्यूचल फण्ड्स और ईएलएसएस के बारे में विस्तृत जानकारी दी, उन्होंने बताया कि म्यूचल फण्ड्स बरगद के वृक्ष की भाँति हैं। देश के आर्थिक विकास हेतु वित्तीय साक्षरता अति आवश्यक है।

अन्तर्महाविद्यालयी प्रतियोगिताएं

दिनांक 01.02.2019 को महाविद्यालय में विभिन्न अन्तर्महाविद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। ये विविध प्रतियोगिताएं विभिन्न प्रायोजकों द्वारा प्रायोजित की जाती हैं, जिनमें किशन लाल सर्राफ स्मृति अंग्रेजी निबन्ध प्रतियोगिता, श्रीमती शान्ति देवी बैजनाथ सर्राफ स्मृति हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता, श्रीमती सावित्री देवी मूलचन्द सर्राफ स्मृति वाद–विवाद प्रतियोगिता, बाबू हरीश चन्द्र अग्रवाल एडवोकेट स्मृति भाषण प्रतियोगिता, श्री बाल मुकुन्द कसेरे अंगूरी देवी स्मृति पोस्टर प्रतियोगिता, श्री हरिदास अग्रवाल स्मृति सुगम संगीत प्रतियोगिता सम्मिलित हैं। इन सभी प्रतियोगिताओं के विविध विषय भी रखे गये थे। जिसमें हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता का विषय 'भारतीय नारीः बदलता परिदृश्य बदलती भूमिका', अंग्रेजी निबन्ध प्रतियोगिता का विषय 'इफेक्ट ऑफ ग्लोबलाइजेशन ऑन इंडियन फैमिली स्ट्रक्चर', भाषण प्रतियोगिता का विषय 'निष्पक्ष मतदान के लिए ईवीएम बैलेट पेपर से बेहतर विकल्प है', वाद–विवाद प्रतियोगिता का विषय 'बेहतर शिक्षा के लिए निजीकरण एक सकारात्मक पहल है', पोस्टर प्रतियोगिता का विषय 'सशक्त नारी सशक्त राष्ट्र', तथा संगीत प्रतियोगिता का विषय 'देश भक्ति गीत' था।

कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन कर, संगीत प्रतियोगिता के साथ शुरू किया गया। इस अवसर पर सभी प्रतियोगिताओं को आयोजित कराने वाले आयोजकों में श्री देवेन्द्र अग्रवाल, डा. प्रकाश अग्रवाल, श्री प्रवीण अग्रवाल, श्री गिरीश अग्रवाल, श्री महेश मित्तल, डा. अल्पना अग्रवाल आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता में कु. चंचल, के.आर. कॉलेज प्रथम, कु. सविता गंगवार, के.आर. कॉलेज मथुरा द्वितीय एवं कु. भावना अग्रवाल, बी.एस.ए कॉलेज, मथुरा तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता की ट्राफी के.आर. कॉलेज, मथुरा को दी गयी। अंग्रेजी निबन्ध प्रतियोगिता में कु. उजमा हाशमी, टीकाराम कॉलेज, अलीगढ़ प्रथम, कु. गरिमा, टीकाराम कॉलेज, अलीगढ़ द्वितीय, कु. लंवीशा पाहुजा, बैकुण्ठी देवी तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता की ट्राफी टीकाराम कॉलेज, अलीगढ़ को प्रदान की गयी। पोस्टर प्रतियोगिता में अंजलि, आर.सी.ए. कॉलेज, मथुरा प्रथम, अंजलि, बैकुण्ठी देवी कॉलेज, आगरा द्वितीय एवं एकता कुशवाह, के.आर. कॉलेज तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता की ट्राफी बैकुण्ठी देवी कॉलेज, आगरा को दी गयी। भाषण प्रतियोगिता में आर्शी नाज, के.आर. कॉलेज प्रथम, अनुराधा गोयल, दाऊ दयाल कॉलेज, शिकोहाबाद द्वितीय, एंव नेहा द्विवेदी, आर.सी.ए. कॉलेज तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता की ट्राफी आर.सी.ए. कॉलेज को प्रदान

की गयी। वाद–विवाद प्रतियोगिता में उजमा हाशमी, टीकाराम कॉलेज प्रथम, तृप्ति दुबे बैकुण्ठी देवी कॉलेज द्वितीय एवं शिखा भदौरिया, बैकुण्ठी देवी कॉलेज तृतीय स्थान पर रहीं। इस प्रतियोगिता की ट्राफी बैकुण्ठी देवी कॉलेज, आगरा को दी गयी। सुगम संगीत प्रतियोगिता में दिव्यांशी, आर.सी.ए. कॉलेज प्रथम, गौरी दीक्षित, आर.सी.ए. कॉलेज द्वितीय एवं शैली, बैकुण्ठी देवी कॉलेज तृतीय स्थान पर रहीं। ट्रॉफी आर. सी.ए. कॉलेज मथुरा को प्रदान की गयी। इन सभी छः प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल में श्रीमती शालिनी शर्मा, श्री गोपाल अग्रवाल, डा. सरला शर्मा, डा. अनिल गहलौत, डा. दीपा अग्रवाल, डा. सरोज जुनेजा, श्री निशेष जार, श्री मनीष चतुर्वेदी, सुश्री निमरा लोधी, श्रीमती कल्पना सारस्वत आदि उपस्थित रहे।

पुलवामा के शहीदों को शिशिकाओं और छात्राओं द्वारा श्रद्धांजलि

दिनांक 16.02.2019 को महाविद्यालय में कश्मीर के पुलवामा में आतंकी हमले में शहीद हुए हमारे देश के सैनिकों के लिए श्रद्धाजंलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की समस्त शिक्षिकाएं डा. अंजूबाला अग्रवाल, डा. कल्पना वाजपेयी, डा. भारती सागर, डा. नम्रता मिश्रा, डा. संध्या श्रीवास्तव, डा. सुषमा, डा. नीतू गोस्वामी, डा. योगेन्द्री, डा. नेहा सक्सैना, डा. सुनीता अवस्थी, श्रीमती पूजा पालीवाल, कु. रूचि जौहरी, कु. नीतू राजपूत, डा. धर्मेन्द्र वर्मा, डा. रिचा शर्मा श्रीमती कविता एवं समस्त शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी छात्राओं ने मोमबत्ती जलाकर हमारे देश के वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके एवं उनके परिवारों की शान्ति के लिए प्रार्थना की।

वार्षिकोत्सव एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण

महाविद्यालय में दिनांक 25 फरवरी 2019 को वार्षिकोत्सव एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ सरस्वती की प्रतिमा पर मुख्य अतिथि श्री रमेश चन्द मित्तल, विशिष्ट अतिथि, श्री प्रसून सर्राफ, श्रीमती नमिता अग्रवाल, श्री समीर सर्राफ, महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति के सचिव श्री गिरीश अग्रवाल, श्री रवि मित्तल, श्री विजय प्रकाश, श्री हरीभान अग्रवाल, श्री सतीश कसेरे, प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी द्वारा सामूहिक रूप से माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम के प्रारम्भ में माँ दुर्गा के नव रूपों का दर्शन कराते हुए माँ दुर्गा स्तुति की भावभीनी प्रस्तुति दी गयी। कार्यक्रम में श्री कृष्ण लीला, आजादी की जंग, देश के शहीद, राजस्थान का घूमर, दादरा शैली में नृत्य एवं महारास की मनोहारी प्रस्तुतियाँ दी गयीं। इन सुन्दर प्रस्तुतियों से भावविभोर होकर आगंतुक अतिथियों द्वारा नकद पुरस्कारों की घोषणा की गयी। इस अवसर पर वर्ष भर महाविद्यालय में सम्पन्न हुई गतिविधियों में सहभागिता कर विजयी होने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही महाविद्यालय में विशेष पुरस्कार भी प्रदान किए गये जिनमें 2018–19 के सर्वश्रेष्ठ पुरस्कारों की श्रृंखला में छात्राओं हेतु पाँच श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किये गये। मानविकी में छात्रा कु. मोहिनी शर्मा, सोशल साइंस में नेहा द्विवेदी, फाइन आर्टस में कु. दिव्यांशी शर्मा, स्पोटर्स में काजल वर्मा व वाणिज्य में जाह्नवी शर्मा को पुरस्कृत किया गया। इन सभी पाँचो श्रेणियों में से स्टुडेन्ट ऑफ द ईयर पुरस्कार कु. नेहा द्विवेदी को मिला। वहीं तृतीय श्रेणी कर्मचारियों में श्रीमती पूजा पालीवाल, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में श्रीमती हरिप्रिया शर्मा को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार दिया गया। सर्वश्रेष्ठ शिक्षिका का पुरस्कार डा. अन्जूबाला अग्रवाल एवं डा. संध्या श्रीवास्तव को सम्मिलित रूप से दिया गया। कु. भूमिका चतुर्वेदी को विश्वविद्यालय में गायन में सर्वाधिक अंक (स्वर्ण पदक) पाने एवं नेहा द्विवेदी को बी.ए. तृतीय वर्ष में सर्वाधिक अंक (स्वर्ण पदक) पाने के लिए विशेष तौर पर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्रबंध समिति के सदस्य श्री विजय प्रकाश, राजेन्द्र कुमार सर्राफ एवं सभी श्रेणियों के पुरस्कार प्रायोजक श्री समीर कुमार सर्राफ, श्री प्रदीप सर्राफ एवं श्री गणेश अग्रवाल, महाविद्यालय की समस्त प्राध्यापिकाएं डा. कल्पना वाजपेयी, डा. नम्रता मिश्रा, डा. सुषमा जैन, डा. नीतू गोस्वामी, डा. योगेन्द्री, डा. नेहा सक्सैना, डा. सुनीता अवस्थी, श्रीमती पूजा पालीवाल, कु. रूचि जौहरी, डा. धर्मेन्द्र वर्मा, डा. रिचा शर्मा, श्रीमती कविता अग्रवाल आदि उपस्थित रहीं।

सर्जिकल स्ट्राइक पर छात्राओं में हर्ष

दिनांक 27 फरवरी 2019 को महाविद्यालय में भारतीय वायु सेना द्वारा पाक पर किये गये सर्जिकल स्ट्राइक (2) के अटैक से उत्साहित छात्राओं द्वारा अपने मनोभावों को व्यक्त

किया गया। छात्रा स्नेहा गौड़ ने कहा कि जब हम सभी भारतीय सो रहे थे तब हमारी भारतीय सेना, प्रधानमंत्री और अधिकारियों ने आंतकियों के खिलाफ रणनीति बनायी और उसे सफलता पूर्वक अंजाम देकर पाक को करारा जवाब देते हुए देश को एक नया विजयी सूरज प्रदान किया है। छात्रा अंजलि ने कविता 'कोटि कोटि जन की कुर्बानी आज मुक्ति का द्वार बनी' सुनाकर अपने भाव व्यक्त किए। वहीं छात्रा दिव्यांशी ने देश भक्ति परक विजयी गीत गाकर देश के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित की। इससे पूर्व संगीत विभागाध्यक्षा डा. नम्रता मिश्रा जी द्वारा माँ भारती का गुणगान करते हुए एक देश भक्ति गीत ''विश्व में गूँजे हमारी भारती' सुनाया तो सभागार देश भक्ति की लहर में झूमने लगा। वहीं हिन्दी विभागाध्यक्षा डा. नीतू गोस्वामी द्वारा सुनायी गयी कविता 'गौरवान्वित आज देश का हर एक हिन्दुस्तानी' ने सभी को जोश से भर दिया। राजनीति शास्त्र विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती स्वाति पारीक ने कहा कि जो लोग सर्जिकल स्ट्राइक जैसे संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति करते हैं उन्हें कल के इस पराक्रम भरे कार्य से निःसन्देह एक सबक मिलेगा कि देश पहले है सत्ता बाद में। शिक्षिका सुश्री नीतू राजपूत ने कहा कि विपक्षी प्रधानमंत्री को चौकीदार कहते हैं तो वास्तव में उन्होंने ये साबित कर दिया है कि वे निःसन्देह देश के सजग प्रहरी हैं, रक्षक हैं। अंग्रेजी विभागाध्यक्षा डा. अंजूबाला अग्रवाल ने कहा कि हमारी वायुसेना ने दिखा दिया कि हम किसी से कम नहीं ये वीरों की भूमि है जहाँ मिट्टी के कण–कण में वीरता है। डा. सुनीता अवस्थी ने कहा कि हमारे देश में जो भी सुविधाएं है वो हमारे जवानों को अधिकाधिक मिलनी चाहिए। शिक्षिका कविता अग्रवाल ने नारे लगवाकर सभागार को जोश से भर दिया। अन्त में प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी जी ने जयशंकर प्रसाद की कविता 'हिमाद्रि तुंग श्रृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती' सुनाकर सभी को देश भक्ति की प्रेरणा से ओतप्रोत कर दिया। इस अवसर पर समस्त प्राध्यापिकाएं उपस्थित थीं।

पाँच दिवसीय योग शिविर सम्पन्न

दिनांक 15.05.2019 को महाविद्यालय में पाँच दिवसीय योग शिविर का शुभारम्भ डा. सीमा शर्मा के निर्देशन में हुआ। इसका उद्घाटन पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी श्री राजेश अग्रवाल ने किया, उन्होंने छात्राओं को योग का महत्व एवं उपयोग बताते हुए प्राणायाम और सूक्ष्म व्यायाम करवाऐ। योग कक्षा का प्रांरभ महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी, डा. सीमा शर्मा, श्री राजेश अग्रवाल और छात्राओं द्वारा मंत्रोच्चारण के द्वारा किया गया। उसके पश्चात् विभिन्न प्राणायाम भस्त्रिका, कपालभाती, बाह्य प्राणायाम, उज्जायी, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, उद्गीथ एवं प्रणव करवाया एवं उनके लाभ बताये। हास्यासन से योग शिविर के प्रथम दिन का समापन हुआ। छात्राओं ने उत्साहपूर्वक योग सत्र में प्रतिभागिता की।

दिनांक 21.05.2019 को योग दिवस के अवसर पर पाँच दिवसीय योग शिविर का समापन हुआ। समापन सत्र में पतंजलि महिला योग समिति प्रभारी श्रीमती रूचि द्विवेदी उपस्थित रहीं। डा. सीमा शर्मा एवं रूचि द्विवेदी ने संयुक्त रूप से छात्राओं को योग, प्राणायाम, आसन और व्यायामों का अभ्यास करवाया। प्राणायाम, योग, आसन के महत्व के साथ ही, योग करने में क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिये इस बात पर प्रकाश डाला गया। छात्राओं ने ''प्रतिदिन योग करेंगे और करायेंगे'' का संकल्प लिया। पाँच दिवसीय योग शिविर में पतंजलि योग समिति के प्रभारी राजेश अग्रवाल जी, युवा प्रभारी तीर्थराज जी का विशेष सहयोग रहा। पतंजलि योग समिति द्वारा महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी तथा कौशल विकास समिति की प्रभारी डा. संध्या श्रीवास्तव को उपयोगी पुस्तकें (योग एवं प्राणायाम संबंधी) भेंट कर आभार व्यक्त किया गया।

महाविद्यालय में विज्ञान प्रयोगशालाओं का शिलान्यास

दिनांक 06 जून 2019 को महाविद्यालय में विज्ञान प्रयोगशालाओं के लिये शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मथुरा की सांसद श्रीमती हेमामालिनी उपस्थित रहीं तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के कुलपति डा. अरविन्द दीक्षित ने की।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती हेमामालिनी को नवांकुर भेंट कर उनका स्वागत महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री रमेश मित्तल ने तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति डा. अरविन्द दीक्षित को सचिव श्री गिरीश अग्रवाल ने नवांकुर भेंट कर उनका स्वागत किया।

मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती हेमामालिनी तथा

कुलपति डा. अरविन्द दीक्षित ने विज्ञान संकाय की प्रयोगशालाओं की शिलापट्टिका का अनावरण किया। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए हर्ष व्यक्त किया कि माननीय सांसद श्रीमती हेमामालिनी द्वारा उपलब्ध करायी गयी 50 लाख की धनराशि के द्वारा ही महाविद्यालय में विज्ञान संकाय प्रारम्भ कराने का सुअवसर प्राप्त हुआ है। डा. जौहरी ने कहा कि उनके इस सहयोग के द्वारा महिलाओं और महिलाओं की शिक्षा के प्रति उनकी समर्पण की भावना परिलक्षित हो रही है। डा. प्रीति जौहरी ने कहा कि हम सांसद महोदया को यह विश्वास दिलाते है कि उनकी भावनाओं के अनुरूप ही महाविद्यालय विज्ञान की शिक्षा के माध्यम से मथुरा में कन्या शिक्षा को नया आयाम प्रदान करेगा।

कार्यक्रम के अवसर पर सांसद श्रीमती हेमामालिनी ने कहा कि उन्होंने राज्य सभा सांसद रेखा जी की सांसद निधि से यह 50 लाख की धनराशि उपलब्ध करायी है, उन्होंने कहा कि बालिकाओं में असीम क्षमता होती है, परन्तु आवश्यकता है कि वे अपनी क्षमताओं को पहचानें तथा आगे बढ़ने का प्रयास करें। श्रीमती हेमामालिनी ने कहा कि आज की बालिकाओं को यदि हम बेहतर अवसर प्रदान करेंगे तो वे अपना भविष्य उज्जवल बना सकती है और उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कि इस विज्ञान संकाय के प्रारम्भ होने से विज्ञान की छात्राओं को इस महिला महाविद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

कुलपति डा. अरविन्द दीक्षित ने विज्ञान प्रयोगशालाओं के शिलान्यास कार्यक्रम के अवसर पर कहा कि आज की बालिकाओं में हौसले हैं और यदि हम सभी मिलकर उन्हें बेहतर शिक्षा के अवसर प्रदान करेंगे तो वे निश्चित रूप से अपने परिवार, समाज और देश को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगी। कुलपति डा. अरविन्द दीक्षित ने आश्वासन देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय स्तर से विज्ञान संकाय प्रारम्भ कराने के लिए पूरा सहयोग किया जायेगा जिससे इसी सत्र से आर.सी.ए. बालिका महाविद्यालय में विज्ञान की कक्षायें प्रारम्भ की जा सकें। डा. अंजूबाला अग्रवाल ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह भेंट किया तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष डा. अरविन्द कुमार दीक्षित को प्रबन्ध समिति के सचिव श्री गिरीश अग्रवाल ने स्मृति चिन्ह भेट किया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की शारीरिक शिक्षा विभाग की वरिष्ठ प्रवक्ता श्रीमती मंजू दलाल ने किया। इस अवसर पर श्री विजय प्रकाश, डा. अशोक जौहरी, श्री गोविन्द मीतल तथा महाविद्यालय की समस्त प्राध्यापिकाएं उपस्थित रहीं।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया

दिनांक 21.06.2019 को महाविद्यालय में पांचवाँ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सामान्य योग अभ्यास क्रम से योग करवाने के उद्देश्य से विगत दो दिन से छात्राओं को डा. सीमा शर्मा द्वारा अभ्यास करवाया गया था। योग दिवस पर योग करवाने हेतु पंतजलि योग समिति से श्री ओम प्रकाश गुप्ता, श्रीमती रूचि द्विवेदी, कु. पारूल महाविद्यालय में पधारे। महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री रमेश चन्द मित्तल ने श्री ओम प्रकाश गुप्ता का तथा प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने श्रीमती रूचि द्विवेदी को पटुका पहनाकर स्वागत किया। छात्राओं को प्रोटोकॉल से सम्पूर्ण योग अभ्यास करवाने के साथ–साथ सूक्ष्म व्यायाम एवं सूर्य नमस्कार भी करवाया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ मंत्रोच्चारण से एवं समापन संकल्प मंत्र के साथ शांति पाठ से किया गया। प्राचार्या ने सभी आगन्तुकों का धन्यवाद किया और नियमित योग करने के लाभ बताये। कार्यक्रम का संचालन संयोजिका डा. सीमा शर्मा ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्ष श्री रामबाबू अग्रवाल, प्राध्यापिकाएं श्रीमती मंजु दलाल, डा. संध्या श्रीवास्तव, श्रीमती पूजा पालीवाल, डा. सुषमा, कु. रूचि जौहरी, श्रीमती अनीता चौधरी आदि उपस्थित रहीं।

श्रद्धांजलि

महाविद्यालय परिवार के सेवाभावी विनम्र एवं कर्मठ श्री सोहन लाल, लैबबॉय, मनोविज्ञान विभाग, का दु:खद निधन दिनांक 21/04/2019 को हुआ। महाविद्यालय परिवार दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना करता है।

जनपद में स्वामी विवेकानंद की जयंती पर हुआ भावपूर्ण स्मरण, उनके आदर्श को जीवन में आत्मसात करने का किया आह्वान

स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी प्रासंगिक

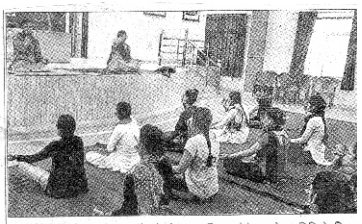

आरसीए गर्ल्स कॉलेज में छात्राओं को योग का प्रशिक्षण देते हुए योग समिति के जिला प्रभारी राजेश अग्रवाल • हिन्दुस्तान

पांच दिवसीय योग दिवस का शुभारंभ

मथुरा। वृन्दावन गेट स्थित आरसीए गर्ल्स कॉलेज में योग शिविर का शुभारम्भ किया गया। पांच दिवसीय योग शिविर का उद्घाटन करने के लिये पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी राजेश अग्रवाल मौजूद रहे। उन्होंने छात्राओं को योग शिविर के प्रथम दिन योग का महत्व एवं उपयोग बताते हुए प्राणायाम और सूक्ष्म व्यायाम करवाए। वहीं योग कक्षा का प्रारम्भ विद्यालय की प्राचार्या डा.प्रीति जौहरी, डा.सीमा शर्मा एवं राजेश अग्रवाल और छात्राओं द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ किया गया। उसके पश्चात् विभिन्न प्राणायाम भत्रिका, कपालभाति, बाह्य प्राणायाम, अनुलोम विलोम, भ्रामरी, योग करवाए। एवं छात्राओं को योग से लाभ के बारे में जानकारी दी। बताया गया कि योग द्वारा शारीरिक ही नहीं बल्कि मानसिक लाभ भी होता है। इस अवसर पर डा.नेहा सक्सेना, डा.योगेन्द्री, एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

छात्राओं ने दिखाया खेलों में हुनर

जासं, मथुरा: आरसीए गर्ल्स कॉलेज में आयोजित खेल सप्ताह के दूसरे दिन कई प्रतियोगिता हुईं। इसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। दौड़ में श्रेया अग्रवाल व दीप्ति प्रथम, रितु व सोनिया शर्मा द्वितीय रहीं। चैस में हनी, सिमरन व मनु प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहीं। बैडमिंटन सिंगल में काजल प्रथम, स्नेहा गौड़ द्वितीय, बैडमिंटन डबल्स में स्नेहा व काजल प्रथम तथा मुस्कान व मीनाक्षी द्वितीय स्थान पर रहीं। खेलों के आयोजन में डॉ. सुनीता अवस्थी एवं छात्राएं मोहिनी शर्मा, रमा चौधरी व वर्षा का पूर्ण सहयोग रहा। खेलों की संयोजिका मंजू दलाल रहीं। डॉ. अंजूबाला अग्रवाल, डॉ. भारती सागर, डॉ. संध्या श्रीवास्तव, डॉ. सीमा शर्मा, डॉ. सुनीता अवस्थी, डॉ. वीरमती, कविता अग्रवाल, डॉ. भारती राय, पूजा पालीवाल, साधना सारस्वत, रत्ना शर्मा, डॉ. ऋचा शर्मा उपस्थित रहीं। रमा चौधरी व मोहिनी शर्मा ने सहयोग किया।

विवेकानंद का किया स्मरण : मथुरा। आरसीए कन्या महाविद्यालय में विवेकानन्द जयंती पर राष्ट्र सेविका समिति के संयोजन से एक युवा उड़ान कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यवक्ता राष्ट्र सेविका समिति की बौदिक प्रमुख डा. शरद रेनू ने कहा है कि 'राष्ट्र मेरा' ये शब्द हमारी हृदय तंत्री में सदैव गुंजायमान रहना चाहिए। अध्यक्ष डा. अंजुबाला अग्रवाल ने स्वामी विवेकानन्द के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। मौके पर डा.शोभा पाठक डा. दीपा अग्रवाल, नीतू राजपूत, निलिमा, डा.मालती मिश्रा, मीरा मित्तल, डा.शशि किरन, डा.ममता ... बबिता ...

चैंपियन ट्रॉफी स्नेहा गौर ने जीती

मथुरा। आरसीए कन्या महाविद्यालय में चल रहे वार्षिक खेल कूद प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र मित्तल, सचिव गिरीश अग्रवाल एवं दीपक ... उपस्थित रहे। प्रतियोगिताओं ... मिलीं। ... रहीं। 100 मीटर मेंढक दौड़ में अर्चना प्रथम, टीना द्वितीय और राखी तृतीय स्थान पर रहीं। गोला फेंक में शालिनी प्रथम, लक्ष्मी सारस्वत द्वितीय, नेहा शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। चक्का फेंक मे प्रीति गौतम प्रथम, राधा वर्मा द्वितीय, छवि शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। भाला फेंक में नेहा शर्मा, बबली द्वितीय तथा ... सारस्वत तृतीय स्थान पर रहीं। ... प्रतियोगिताओं को

आरसीए के वार्षिकोत्सव में मेधावी छात्राएं पुरस्कृत, अतिथियों ने कॉलेज स्टॉफ को भी किया सम्मानित

कलाकारों की मनोहारी प्रस्तुतियों ने जीत लिया दिल

वार्षिकोत्सव

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

आरसीए महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में छात्राओं ने अपनी अनूठी प्रस्तुतियों से हर किसी का दिल जीत लिया। अतिथियों ने प्रतिभाशाली छात्राओं के साथ-साथ सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए भी पुरस्कार प्रदान किए।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में मां दुर्गा के नवरूपों का दर्शन कराते हुए भावभीनी प्रस्तुति दी गयी। श्रीकृष्ण लीला, आजादी की जंग, देश के शहीद, राजस्थान का ...

आरसीए महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देती छात्राएं। • हिन्दुस्तान

शृंखला में पांच श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किये गये, जिसमें ह्यूमैनिटी में मोहिनी शर्मा, सोशल साइंस में नेहा द्विवेदी, फाइन आर्ट्स में दिव्याशी शर्मा, स्पोर्ट्स में काजल वर्मा, वाणिज्य में जान्हवी शर्मा को पुरस्कृत किया गया। इन पाँचों श्रेणियों में से स्टूडेन्ट ऑफ द ईयर पुरस्कार नेहा द्विवेदी को मिला। तृतीय श्रेणी कर्मचारियों में पूजा पालीवाल, चतुर्थ श्रेणी में हरिप्रिया शर्मा को सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार दिया गया। सर्वश्रेष्ठ शिक्षिका का पुरस्कार डा.अंजुबाला अग्रवाल एवं डा.संध्या श्रीवास्तव को सम्मिलित रूप से दिया गया। भूमिका चतुर्वेदी को विधि में गायन में सर्वाधिक अंक (स्वर्ण पदक) पाने एवं नेहा द्विवेदी को बीए तृतीय वर्ष में सर्वाधिक अंक (स्वर्ण पदक) पाने के लिए विशेष तौर पर सम्मानित किया गया।

इन्होंने किया कार्यक्रम का शुभारंभ : मुख्यअतिथि रमेश चन्द मित्तल, विशिष्ट अतिथि प्रसून सर्राफ, नमिता अग्रवाल, समीर सर्राफ, विद्यालय समिति सचिव गिरीश अग्रवाल, रवि मित्तल, विजय प्रकाश, हरीभान अग्रवाल, सतीश कसेरे, प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी ने सामूहिक रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलन कर किया।

ये रहे कार्यक्रम में मौजूद : कार्यक्रम में प्रबंध समिति सदस्य विजय प्रकाश, राजेन्द्र कुमार सर्राफ एवं सभी श्रेणियों के पुरस्कार प्रायोजक समीर कुमार सर्राफ, प्रदीप सर्राफ एवं गणेश अग्रवाल, शिक्षिकाएं डा. कल्पना बाजपेयी, डा.नम्रता मिश्रा, डा.सुषमा जैन, डा.नीतू गोस्वामी, डा. योगेन्द्री, डा.नेहा सक्सेना, डा.सुनीता अवस्थी, पूजा पालीवाल, रुचि जौहरी, नीतू गोस्वामी, डा.धर्मेन्द्र वर्मा, डा.रिचा शर्मा, रुचिता अग्रवाल आदि थीं।

एनएसएस शिविर में किया मतदान के प्रति जागरूक

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

आरसीए कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मतदाता जागरुकता अभियान चलाया गया। साथ ही स्लोगन प्रतियोगिता आओ मतदान करें एवं काव्य पाठ का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि सिटी मजिस्ट्रेट एवं स्वीप कार्यक्रम नोडल अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। स्वीप संयोजिका ... के लिए प्रेरित किया। मतदाता जागरूकता अभियान की कैम्पस एम्बेस्डर मोहिनी शर्मा ने काव्य पाठ किया। काव्यपाठ प्रतियोगिता में शोभा वर्मा प्रथम, पिंकी शर्मा द्वितीय एंव जागृति भारद्वाज तृतीय स्थान पर रहीं। स्लोगन प्रतियोगिता में भानू प्रिया प्रथम, स्नेहा गौतम द्वितीय एंव ललित किशोरी तृतीय स्थान पर रहीं। इस अवसर पर हिन्दी विभागाध्यक्षा डा.नीतू गोस्वामी, वाणिज्य विभागाध्यक्ष डा.सीमा शर्मा उपस्थित रहीं। संचालन मंजू दलाल ने किया। डा. भारती सागर ने आभार ...

शिक्षिकाओं और छात्राओं ने ली मतदान की शपथ

अमर उजाला ब्यूरो

मथुरा। मथुरा के आरसीए गर्ल्स डिग्री कालेज में अपराजिता के तहत शिक्षिकाओं और छात्राओं ने मंगलवार को लोकसभा चुनावों में शत प्रतिशत मतदान की शपथ ली। प्राचार्य प्रीति जौहरी ने कहा कि 18 अप्रैल को होने वाले मतदान में वह सबसे पहले घर से निकलकर वोट डालेंगी और पड़ोसियों को भी मतदान के लिए प्रेरित करेंगी। इस अवसर डा. संध्या, डा. नम्रता मिश्रा, डा. सुनीता अवस्थी, डा. सीमा शर्मा, स्वाति पारीक, पूजा पालीवाल, रत्ना शर्मा, वीरमति सिंह, शिप्रा राठी आदि ने शत प्रतिशत मतदान करने की शपथ ली।

अपराजिता
100 MILLION SMILES

अपराजिता के तहत प्राचार्य डॉ. प्रीति जौहरी के नेतृत्व में शत प्रतिशत मतदान की शपथ लेतीं शिक्षिकाएं और छात्राएं। अमर उजाला

हेमा ने किया विज्ञान प्रयोगशालाओं का शिलान्यास

गुरुवार को आरसीए कॉलेज में विज्ञान प्रयोगशाला का शिलन्यास करतीं सांसद हेमा मालिनी और भीमराव आंबेडकर विवि के कुलपति अरविंद दीक्षित • जागरण

जागरण संवाददाता, मथुरा : गुरुवार को आरसीए गर्ल्स महाविद्यालय में सांसद हेमा मालिनी ने विज्ञान संकाय की प्रयोगशालाओं का शिलान्यास किया। इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के कुलपति डॉ. अरविंद कुमार दीक्षित ने की। इन प्रयोगशालाओं के निर्माण के लिए सांसद हेमा मालिनी की पहल पर राज्यसभा सांसद रेखा गणेशन ने पचास लाख रुपये अपनी सांसद निधि से महाविद्यालय को दिए हैं। महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में सांसद हेमा मालिनी और कुलपति डॉ. अरविंद कुमार दीक्षित का स्वागत प्रबंध समिति के अध्यक्ष रमेश मित्तल ने किया। इस अवसर मौजूद लोगों में विजय प्रकाश, डॉ. अशोक जौहरी, गोविंद मित्तल, डॉ. अंजूवाला आदि मौजूद रहे। आभार प्राचार्य डॉ. प्रीति जौहरी ने व्यक्त किया।

नयति ने छात्राओं को दिया इएफआर का प्रशिक्षण

जागरण संवाददाता, मथुरा: आरसीए कन्या महाविद्यालय में शारीरिक शिक्षा विभाग नयति हेल्थ केयर की ओर से एक प्रशिक्षण सत्र किया गया। इसमें नयति हेल्थ केयर की डॉ. वंदना शाह और उनकी टीम ने छात्राओं को इएफआर यानी इमरजेंसी फर्स्ट रिस्पॉंडर के बारे में बताया।

साथ ही डॉ. वंदना ने बताया सड़क दुर्घटना हो जाए, तो हमें ... प्रकार पीड़ित को ईएफआर ... चाहिए। डा. अभिषेक ने चौकि... सीपीआर, बीफास्ट, चेस्टपेन ब्रेन स्ट्रॉक से संबंधित ईएफआर जानकारी दी।

डॉ. अंजना ने फर्स्टएड किस प्र... दिया जाए इस बारे में जानकारी ... प्रशिक्षण के दौरान टीम ने उपरि... सभी छात्राओं से फीडबैक लि... प्रशिक्षण के संबंध में छात्रा... से प्रश्नोत्तर भी किया ग... प्राध्यापिकाओं में डॉ. अंजना ...

छात्राओं को बांटे प्रमाण पत्र

मथुरा: आरसीए महाविद्यालय ... खजानी वेलफेयर सोसाइटी की ... से प्रमाण पत्र वितरण समारोह हु... ड्रेस डिजाइनर, ब्यूटीशियन, कम्प्यू... फंडामेंटल, टेली एंड जीएसटी आ... वोकेशनल कोर्स में तीन माह ... करने के लिए प्रमाण पत्र प्रदान कि... गए। मुख्य अतिथि नगर पालिका ... पूर्व अध्यक्ष मनीषा गुप्ता ने छात्रा... का उत्साहवर्धन किया। सोसाइटी ... सचिव शिप्रा राठी, महाविद्यालय प्रबं... समिति के अध्यक्ष रमेश मित्त... उपाध्यक्ष रामबाबू, सचिव गिरी... अग्रवाल मौजूद रहीं। धन्यवाद ज्ञा... प्राचार्या डॉ. प्रीति जौहरी और संचाल... नीतू राजपूत ने किया। (वि)

आरसीए महाविद्यालय की 50 ... छात्राओं ने डॉ. सीमा शर्मा के ... किनारे पौधरोपण कर श्रद्धांजलि ... का मौन रखा गया। डॉ. सीमा ... बच्चा भी इस घृणित घटना को ... है। हवन व पौधारोपण जैसे पात... सच्ची और सार्थक श्रद्धांजलि दे... नेहा सक्सैना, स्वाति पारीक, क...

आरसीए गर्ल्स कॉलेज में योग शिविर

मथुरा: पंचम अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर आरसीए गर्ल्स (पी.जी.) कॉलेज में तीन दिवसीय योग शिविर 19 से 21 जून तक आयोजित किया जा रहा है। पतंजलि योगपीठ के प्रशिक्षक छात्राओं को प्रोटोकॉल के अनुसार योग प्रशिक्षण देंगे। प्राचार्या ने छात्राओं से आह्वान किया है कि वे सभी उपस्थित होकर कार्यक्रम में भाग लें। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. सीमा शर्मा के मुताबिक छात्राएं समय से पहुंचकर स्वस्थ जीवन शैली एवं दिनचर्या में योग के महत्व के विषय में जानकारी प्राप्त करें।

राधा, अर्चना, शालिनी, नेहा व प्रीति ने बाजी मारी

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

आरसीए गर्ल्स (पीजी) कॉलेज में खेल सप्ताह शुभारंभ शुक्रवार को प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। जिसमें छात्राओं ने शिरकत कर ... का प्रदर्शन किया।

प्राइवेट की नहीं वारंटी, सरकारी नौकरी गारंटी

जागरण संवाददाता, मथुरा: सरकारी नौकरियों में भले ही पेंशन बंद कर दी गई हो, फिर भी युवाओं का रुझान इसी ओर है। वे प्राइवेट जॉब को बतौर भविष्य की गारंटी नहीं मानते। तर्क देते समय दोनों सेक्टरों में वर्किंग के स्टाइल को अहम बताते हैं। एक आठ घंटे की मस्त नौकरी तो दूसरी 12 से 14 घंटे की हार्ड वर्किंग। युवतियों में तकनीकि से ज्यादा टीचिंग और ऑफीशियल वर्क का क्रेज है।

ये भी

दोपहर दो बजे जब आसमान से सूरज देवता आग बरसा रहे थे, आरसीए कन्या महाविद्यालय में अचानक पेड़ से बंधा घंटा बजता है। छात्राएं क्लास से बाहर आते ही सहेलियों संग पेपर की चर्चा में मशगूल हो जाती हैं। कॉलेज कैंपस स्थित बेंच पर बैठकर बतियातीं छात्राओं से जैसे ही 'जागरण की टीम' ने सरकार से रोजगार की आस विषय पर प्रश्न किया तो उनके दिलों के गुबार बाहर आते गए। सभी इस बात पर एकमत थीं कि सरकार सभी को नौकरी नहीं दे सकती, इसके लिए तो प्राइवेट सेक्टर ही सक्षम है। यह बात अलग है कि प्राइवेट सेक्टर में जॉब सिक्योर नहीं है।

लोकसभा चुनाव को लेकर आरसीए गर्ल्स डिग्री कालेज में दैनिक जागरण द्वारा आयोजित कालेज कैंपस रोजगार कार्यक्रम में अपने विचार रखती छात्राएं • जागरण

बात निकली तो दूर तक जाएगी: कालेज कैंपस में बैठीं छात्राएं अनुराधा शर्मा, रुखसार, प्रीति गौतम, कविता शर्मा, साधना, निशा कहती हैं सरकारी और प्राइवेट जॉब का अंतर छोटे शहरों में ज्यादा नजर आता है। यहां सरकारी बाबू की सेलरी 36 से 46 हजार तक हो सकती है तो प्राइवेट सेक्टर में चार से आठ हजार तक बस। मालती, कामिनी शर्मा, मनीषा सैनी, पूजा, भारती शर्मा बताती हैं कि किस तरह प्राइवेट सेक्टर में शोषण होता है। माधुरी शर्मा, मेहरा, हेमू कुमारी, पूनम दिवाकर, हेमा और रेनू कहती हैं कि सरकार को प्रयास करना चाहिए प्राइवेट सेक्टर में बेहतर सैलरी और जॉब गारंटी हो। ऐसा हो जाए तो सरकारी नौकरियों पर से बोझ कम होगा। निशा, छाया, नगीना, संगीता सिंह, शिवानी कहती हैं कि भले ही सरकारी विभागों का निजीकरण होता जा रहा हो, जब तक सरकार के नियंत्रण में हैं, नौकरी बेहतर है। विद्युत विभाग में ही निगम और कंपनी के सेलरी स्ट्रक्चर में जमीन-आसमान का अंतर है। जॉब भी स्थाई नहीं।

पेंशन समाप्त कोई गम नहीं: वर्ष 2005 के बाद से सरकारी विभागों में पुरानी पेंशन बंद कर नई बहाल की गई है, इसमें और प्राइवेट सेक्टर में बहुत ज्यादा अंतर नहीं है। बावजूद इसके युवाओं में सरकारी नौकरी के प्रति आकर्षण कम नहीं है। तर्क अनेक हैं तो प्राइवेट में खामियां बहुत। समीप खड़ीं शिक्षिका मंजू दलाल ने छात्राओं का ज्ञानवर्धन किया, बताया कि केवल डिफेंस में पुरानी पेंशन प्रणाली बहाल है।

सरकारी नौकरियों का अपना क्रेज है, कारण इसमें नौकरी पर लगना जितना मुश्किल है, हटाना उससे भी मुश्किल, इससे नौकरी की गारंटी तो रहती ही है।

शर्मिष्ठा।

सभी जाति एवं धर्म के बच्चों को एजुकेशन एक समान दी जाए तो नौकरियों में दिक्कत नहीं आएगी। बेहतर शिक्षा पाने वालों को नौकरी बेहतर मिलती है।

रुचि शर्मा।

प्राइवेट सेक्टर में वेतन बहुत कम मिलता है, चतुर्थ श्रेणी की ही बात करें तो कहां चार हजार और कहां 24 हजार, फिर दस से बारह घंटे तक की नौकरी।

मीनू शर्मा।

सरकार सभी को नौकरी देने में सक्षम नहीं, प्राइवेट सेक्टर में बढ़ानी चाहिए सरकार को सेलरी, जिससे इसकी ओर युवक-युवतियों का रुझान बढ़े।

लक्ष्मी देवी।

यह निकलकर आए मुद्दे

- सरकार को एक समान शिक्षा देनी चाहिए।
- सरकारी नौकरियों की संख्या बढ़ाई जाए।
- नियुक्ति प्रक्रिया को सरल और तेज करें।
- अस्थाई पदों पर युवा रखें, रिटायर्ड नहीं।
- प्राइवेट में मध्यम स्तर तक सेलरियां बढ़ें।

हेमामालिनी वापस ले आईं अपनी सहेली रेखा की निधि

छात्राओं ने खेलों में दिखाई प्रतिभा

मथुरा। आरसीए गर्ल्स कॉलेज में चल रहे खेल सप्ताह के दूसरे दिन भी छात्राओं ने विभिन्न खेलों में प्रतिभाग किया। इसमें साथी दौड़ में श्रेया अग्रवाल व दीप्ति प्रथम, रितु व सोनिया शर्मा द्वितीय रहीं। चेस में हनी, सिमरन व मनु क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहीं। बैडमिंटन सिंगल में काजल प्रथम और स्नेहा गौड़ द्वितीय रहीं।

बैडमिंटन डबल्स में स्नेह व काजल प्रथम तथा मुस्कान व मीनाक्षी द्वितीय रहीं। इसमें डॉ. सुनीता अवस्थी व छात्राएं मोहिनी शर्मा, रमा चौधरी व वर्षा का सहयोग रहा। खेल संयोजिका मंजू दलाल रहीं। कॉलेज की शिक्षिकाएं डॉ. अंजूबाला अग्रवाल, डॉ. भारती सागर, डॉ. संध्या श्रीवास्तव, डॉ. सीमा शर्मा, डॉ. सुनीता अवस्थी, डॉ. वीरमती, कविता अग्रवाल, डॉ. भारती राय, पूजा पालीवाल, साधना सारस्वत, रत्ना शर्मा, डॉ. ऋचा शर्मा आदि उपस्थित रहीं।

युवा उड़ान कार्यक्रम का आयोजन 12 को

मथुरा। राष्ट्रीय सेविका समिति कार्यालय पर आयोजित बैठक में युवा उड़ान कार्यक्रम को लेकर चर्चा की गई। 12 जनवरी को यह कार्यक्रम आरसीए कन्या महाविद्यालय में आयोजित किया जाएगा। इसमें अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख डा. शरद रेणु शर्मा मुख्य वक्ता होंगी। इसका विषय राष्ट्र मेरा है। इसी विषय पर रंगमंचीय कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। कार्यक्रम संयोजिका डा.नीतू गोस्वामी ने बताया कि इस कार्यक्रम में 12 महाविद्यालयों की छात्राएं प्रतिभाग करेंगी। इस कार्यक्रम से पूर्व पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित होगी। बैठक में ललिता गुप्ता, डा. दीपा अग्रवाल, डा. रुचि अग्रवाल, डा.मालती मिश्रा, नीतू राजपूत, आशा अग्रवाल, प्रीति बंसल, प्रभुता, सविता गंगवार आदि मौजूद रहीं।

हेमा ने किया शिलापट्टिका का अनावरण

अभिनेत्री रेखा की निधि से आरसीए कालेज में तैयार होगी प्रयोगशाला

अमर उजाला ब्यूरो

मथुरा। आरसीए गर्ल्स डिग्री कालेज में सांसद हेमामालिनी ने 50 लाख रुपये की लागत से बनने वाली विज्ञान प्रयोगशाला की शिलापट्टिका का अनावरण किया। उन्होंने बताया कि बालिका शिक्षा के लिए यह राशि अभिनेत्री रेखा एस गणेशन ने अपनी निधि से दी है।

गुरुवार को एक समारोह दौरान हेमामालिनी ने छात्राओं से विज्ञान के क्षेत्र में भी आगे बढ़ने की अपील की। उन्होंने कालेज की छात्राओं के सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तारीफ भी की।

अध्यक्षता कर रहे डा. आंबेडकर विवि के कुलपति डा. अरविंद कुमार दीक्षित ने कहा कि कालेज में विज्ञान संकाय शुरू करने में पूर्ण सहयोग करेंगे,

डा. आंबेडकर विवि के कुलपति बोले, कालेज में विज्ञान संकाय शुरू कराने में करेंगे पूरा सहयोग

जिससे इसी सत्र में बीएससी कक्षाओं की शुरूआत हो सके। उन्होंने कहा विवि की परीक्षा और परिणाम दोनों पटरी पर आ गए हैं। जल्द ही कुछ और सुधार किए जाएंगे।

इससे पहले सांसद हेमामालिनी का प्रबंध समिति के अध्यक्ष रमेश मित्तल ने और कुलपति डा. दीक्षित का प्रबंधक गिरीश अग्रवाल ने स्वागत किया। प्राचार्य डा. प्रीति जौहरी ने सांसद और कुलपति का आभार जताया।

इस दौरान [illegible] अशोक जौहर[illegible]

आरसीए गर्ल्स डिग्री कालेज में विज्ञान प्रयोगशाला की शिला पट्टिका का अनावरण करतीं सांसद हेमामालिनी, साथ हैं कुलपति डॉ. अरविंद कुमार दीक्षित।

विशेषज्ञों ने दिए प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के टिप्स

सामर्थ्य कार्यक्रम में छात्राओं को संबोधित करती मोनिका अग्रवाल। अमर उजाला

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय की छात्राएं। अमर उजाला

अमर उजाला, सेंटर फ़ॉर एंबीशन की ओर से आरसीए गर्ल्स पीजी कॉलेज में हुई सेमीनार

अमर उजाला ब्यूरो

मथुरा। अमर उजाला व सेंटर फॉर एंबीशन के सहयोग से आरसीए गर्ल्स पीजी कॉलेज में छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने के टिप्स दिए गए। 'आओ जानें अपना सामर्थ्य' के अंतर्गत हुई सेमीनार में विशेषज्ञों ने छात्राओं को बखूबी उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा को शांत किया।

[illegible] ला ने [illegible] दिए [illegible] के [illegible] हैं। [illegible] ने [illegible] स्तृत [illegible] दौरान [illegible] रखने की सलाह छात्राओं को दी। नियमित अध्ययन करने की सलाह दी गई। प्रधानाचार्या डा. प्रीति जौहरी ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से छात्राओं को प्रेरणा मिलती है और आगे बढ़ने के लिए उनका मनोबल ऊंचा होता है। इस दौरान इंचार्ज गाइडेंस डा. कल्पना वाजपेयी, डा. अंजू अरोड़ा, डा. नम्रता मिश्रा, डा. संध्या, डा. भारती सागर, मंजू दलाल, डा. नीता, कविता अग्रवाल, सीमा शर्मा, पूजा पालीवाल आदि मौजूद रहे।

बालिकाएं अपनी क्षमता को पहचानें : हेमा

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

आरसीए गर्ल्स (पीजी) कॉलेज में विज्ञान संकाय प्रारंभ कराने के लिए शिलान्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद हेमामालिनी रहीं और कार्यक्रम की अध्यक्षता डा. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के कुलपति डा. अरविन्द दीक्षित ने की।

[illegible] बालिकाओं में असीम क्षमता होती है लेकिन, आवश्यकता है कि वे अपनी क्षमताओं को पहचानें तथा आगे बढ़ने का प्रयास करें।

सांसद ने कहा कि आज की बालिकाओं को यदि हम बेहतर अवसर प्रदान करेंगे तो वे अपना भविष्य उज्जवल बना सकती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कि इस विज्ञान संकाय के शुरू [illegible] प्रदान करेंगी तो वे निश्चित रूप से अपने परिवार समाज और देश को समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

कुलपति ने आश्वासन देते हुए कहा विश्वविद्यालय स्तर से विज्ञान संकाय प्रारंभ कराने के लिए उनका पूरा सहयोग किया जाएगा, जिससे इसी सत्र से विज्ञान की कक्षाएं प्रारंभ की जा सकें। प्राचार्य डा. प्रीति जौहरी ने अतिथियों का स्वागत [illegible] शिक्षा की वरिष्ठ प्रवक्ता मंजू दलाल ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में सांसद हेमामालिनी का स्वागत महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष रमेश मित्तल ने और कार्यक्रम अध्यक्ष कुलपति डा. अरविन्द दीक्षित का स्वागत सचिव गिरीश अग्रवाल ने नवांकुर भेंट कर किया। इस अवसर पर विजय प्रकाश, डा. अशोक जौहरी, गोविन्द मीतल, डा. [illegible]

छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की दी प्रस्तुति

आरसीए गर्ल्स महाविद्यालय में हुआ कार्यक्रम। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

मथुरा। आरसीए कन्या महाविद्यालय [illegible] कर किया। मुख्य वक्ता अभा बौद्धिक प्रमुख डॉ. शरद रेणु शर्मा ने कहा कि भारतीय युवाओं को स्वामी विवेकानंद [illegible]

आरसीए गर्ल्स कॉलेज में वित्तीय शिक्षा द्वारा वित्तीय समावेशन पर संगोष्ठी संपन्न

विनियोग के प्रति किया जागरूक

मथुरा | हिन्दुस्तान संवाद

आरसीए कन्या महाविद्यालय के वाणिज्य संकाय और वित्तीय शिक्षा की ओर से सेवी एवं एनएसई के सहयोग से वित्तीय समावेशन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें लोगों को विनियोग के प्रति जागरूक किया गया।

सेवी के क्षेत्रीय निदेशक शरद शर्मा ने बताया कि हमें जागरुकता के साथ किस प्रकार से विनियोग करना चाहिए। एनएसई की उपाध्यक्ष रेनू भंडॉ.री ने बताया कि विनियोग किस प्रकार से हमारे लिए उपयोगी है और विनियोग किस प्रकार किया [illegible]

आरसीए गर्ल्स कॉलेज में शुक्रवार को वित्तीय शिक्षा द्वारा वित्तीय समावेशन पर आयोजित संगोष्ठी में मंचस्थ अतिथि। • हिन्दुस्तान

आरसीए कालेज में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

अमर उजाला ब्यूरो

मथुरा। जिले में यूजीसी के राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की ग्रेडिंग के मानकों से गुजरने वाला एक मात्र आरसीए गर्ल्स डिग्री कालेज में एडमिशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यहां फिलहाल बीए और बीकॉम के लिए रजिस्ट्रेशन किए जा रहे हैं। संभावना है कि इस सत्र में बीएससी की भी शुरूआत हो जाएगी।

बालिका शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से उभरकर सामने आ रहा आरसीए गर्ल्स [illegible]

बीए-बीकॉम में हो रहे रजिस्ट्रेशन, राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद की ग्रेडिंग के मानकों पर खरा उतरने वाला एक मात्र कालेज

विषय	सीट
बीए	500
बीकॉम	180

की कक्षाएं चलती थीं, लेकिन पिछले दिनों सांसद हेमामालिनी [illegible]

स्किल डवलपमेंट प्रोग्राम

आरसीए गर्ल्स डिग्री कालेज में छात्राओं के स्किल डवलपमेंट के लिए भी विभिन्न प्रोग्राम आयोजित किए जाते हैं। यहां स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के अलावा तीन-तीन माह के ये अतिरिक्त कोर्सेज कराए जाते हैं।

एडमिशन की [illegible] हो [illegible] कराए जा रहे हैं। संभावना [illegible] बार कालेज में बीएससी [illegible] भी शुरू हो जाएगा। इसकी [illegible] या चल रही है।

[illegible] जौहरी, प्राचार्य, आरसीए [illegible] ग्री कालेज, मथुरा

बैठक 22 को

मथुरा। आरसीए गर्ल्स पीजी कालेज में 22 फरवरी को दोपहर 12 बजे शिक्षक अभिभावक संघ की बैठक होगी। यह जानकारी प्राचार्य डा. प्रीति जौहरी ने दी है।

आरसीए महाविद्यालय में योग शिविर का आयोजन

मथुरा। आरसीए महाविद्यालय में पांच दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ डा. सीमा शर्मा के निर्देशन में हुआ। शिविर का उद्घाटन पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी राजेश अग्रवाल ने किया। उन्होंने छात्राओं को प्राणायाम करवाया। इसके बाद योग के लाभ बताए। इस अवसर पर प्राचार्या डा. प्रीति जौहरी, डा. सीमा शर्मा, डा. नेहा सक्सेना, डा. योगेंद्री, स्वाति उपस्थित थीं। ब्यूरो

कौशल मिला तो संवर गई जिंदगी

विवेक दत्त • मथुरा

खजानी वेलफेयर सोसाइटी की संचालिका शिप्रा राठी कौशल विकास के माध्यम से महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने के सतत अभियान में जुटी हैं। पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक परेशानी से जूझ रहीं सैकड़ों महिलाओं को प्रति वर्ष निश्शुल्क विभिन्न व्यवसायिक कोर्सों का प्रशिक्षण देकर उनको आत्मनिर्भर बनाने में जुटी हैं। कौशल विकास के बाद शहर में सैकड़ों महिलाएं अब स्वयं का रोजगार कर परिवार और बच्चों की परवरिश कर रहीं हैं।

शिप्रा राठी ने महिलाओं को आर्थिक संबल देने की दृष्टि से आठ वर्ष पहले यह अभियान शुरू किया [illegible]

खजानी वेलफेयर सोसायटी की संचालिका शिप्रा राठी अपने संस्थान में प्रशिक्षार्थियों के साथ •

खजानी वेलफेयर सोसाइटी की शिप्रा राठी की कोशिशें ला रहीं रंग, गरीब व असहाय महिलाएं व युवतियां अब होने लगीं आत्मनिर्भर

आप भी जुड़ें

अपने आस-पास के ऐसे ही किसी अभिनव, प्रेरक व सार्थक प्रयास की जानकारी आप भी हमें दे सकते हैं, जो व्यक्ति, देश व समाज को नवप्रेरणा से भर सकती हो। संक्षिप्त विवरण response.story@jagran.com पर भेजें।

30 से 40 हजार रुपये तक कमा रही हैं। [illegible]

आरसीए में छात्राओं को दी ईएफआर की जानकारी

मथुरा। आरसीए कन्या महाविद्यालय में नयति हेल्थ केयर द्वारा प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। जिसमें नयति हेल्थ केयर से डा.वन्दना शाह एंव उनकी टीम द्वारा छात्राओं को ईएफआर (इमरजेंसी फर्स्ट रिस्पोंडर) की जानकारी दी गई। डा.अभिषेक ने चेकिंग, सीपीआर, बीफास्ट, चेस्ट पेन तथा ब्रेन स्ट्रोक से संबंधित ईएफआर की जानकारी दी। डा.अंजना ने फर्स्टएड किस प्रकार दिया जाए इस बारे में जानकारी दी। टीम ने उपस्थित सभी छात्राओं का फीडबैक लिया तथा प्रशिक्षण के संबंध में छात्राओं से प्रश्नोत्तर भी किया। प्रशिक्षण सत्र का निर्देशनशारीरिक शिक्षा विभाग की अध्यक्षा मंजू दलाल ने किया। इस अवसर पर डा.अंजूबाला अग्रवाल, डा. भारती सागर, डॉ. संध्या श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं के सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने मन मोहा

मथुरा। आरसीए महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव सोमवार को अ[illegible] ईयर चुना गया। इसके अलावा मोहिनी शर्मा, सोशल साइंस में ने[illegible] में जान्हवी शर्मा को श्रेष्ठ प्रदर्शन पर पुरस्कृत किया गया। सांस्कृ[illegible] श्रीकृष्ण लीला, आजादी की जंग, राजस्थान का घूमर, दादरा शैल[illegible] भूमिका चतुर्वेदी को विवि गायन में स्वर्ण पदक पाने एवं नेहा द्विवे[illegible] मित्तल, प्रसून सराफ, नमिता अग्रवाल, समीर सराफ, प्राचार्या डॉ. [illegible] प्रदीप सराफ, गणेश अग्रवाल, शिक्षिकाएं डॉ. कल्पना वाजपेयी, ड[illegible] [illegible] कुमार सराफ, समीर कुमार सराफ, [illegible] मिश्रा, डॉ. सुषमा जैन, डॉ. नीतू गोस्वामी उपस्थित रहीं। ब्यूरो

[illegible] द [illegible] वाणिज्य [illegible] ही [illegible] हीं। [illegible] चंद

Sweet Memories.....

आर.सी.ए. गर्ल्स (पी.जी.) कॉलेज, वृन्दावनगेट, मथुरा

मो. 9084011181, website : www.rcagirlscollege.org